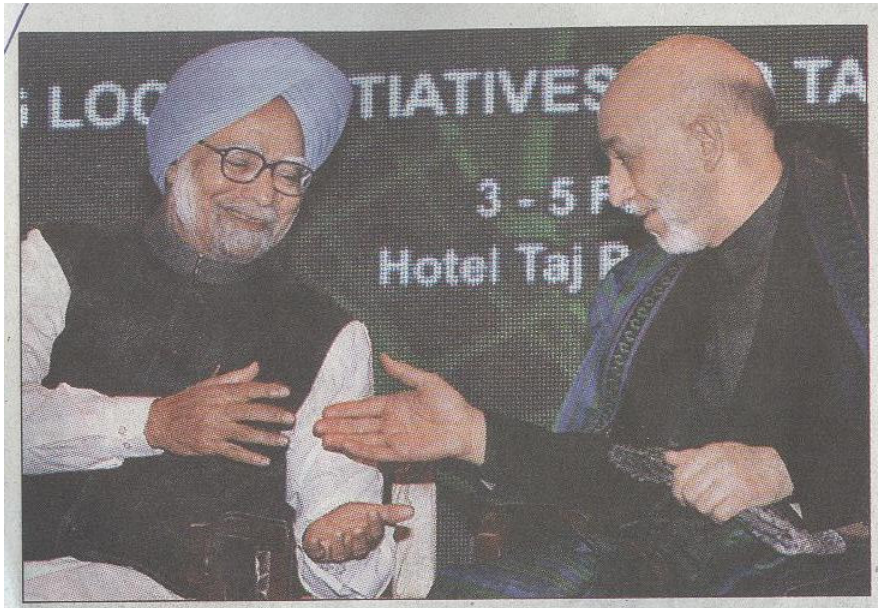

दिल्ली सस्टेनेबल डेवलपमेंट सम्मेलन 2011 के दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई। फोटो : रवि बत्रा

मनमोहन-करजई ने की तालिबान पर चर्चा

भाषा सिंह

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने भारत की इस मांग को मान लिया है कि वह अपने यहां काम कर रहे भारतीयों तथा वहां चल रही भारतीय परियोजनाओं की सुरक्षा की फिर से समीक्षा करेगा। इसके साथ ही इस बात की गारंटी करने की कोशिश करेगा कि सुरक्षा बलों के रूट और कामकाज को कम से कम बाधा पहुंचे।

गुरुवार को अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बीच हुई मुलाकात के दौरान इन मुद्दों पर बात हुई। करजई इन दिनों भारत की यात्रा पर हैं। खबर है कि गुरुवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान अफगानिस्तान में तालिबान को मुख्यधारा की राजनीति में शामिल किए

■ अफगान में भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा उठा

जाने पर भी चर्चा हुई। इससे अफगानिस्तान को पहली बार भारत से यह समर्थन मिलने के संकेत मिले हैं कि अगर तालिबान अफगानिस्तान के संविधान को मानने का वचन दे, हिंसा छोड़े और उनकी कड़ी जांच-पड़ताल हो तो उन्हें मुख्यधारा में लाया जा सकता है। गौरतलब है कि तालिबान को अफगानिस्तान की राजनीति में लाने के लिए माहौल बनाने का करजई पर तगड़ा दबाव है। इनके अलावा दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खतरे पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत-अफगानिस्तान की रणनीतिक साझेदारी से पूरे क्षेत्र में असर पड़ेगा। इससे इस क्षेत्र में शांति कायम होगी और एक भरोसे का माहौल पैदा होगा। खबर है कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने यह चिंता जताई कि जिस तरह से तालिबान खड़ा हो रहा है वह पूरे क्षेत्र की शांति के लिए खतरा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक इसी क्रम में करजई ने तालिबान को मुख्यधारा में लाकर प्रतिबद्ध बनाने की योजना का उल्लेख किया। भारत ने पाकिस्तान के अफगानिस्तान में बढ़ते दखल पर भी चिंता जताई। इसके अलावा अफगानिस्तान में काम करने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर भी विस्तृत बात हुई। इस समय करीब 4000 भारतीय अफगानिस्तान में सड़क, सेनिटेशन, बिजली का काम कर रहे हैं और ये भारतीय आतंकियों के निशाने पर भी हैं।